उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा

की

वर्ष 1983-84

की

वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

NIEPA DC
D04410

प्रकाशक :
निदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ ।

विषय सूची

क्रम संख्या	अध्याय शीर्षक	पृष्ठ संख्या
	समीक्षा	i—iv
1.	प्रशासन एवं संगठन	1—2
2.	सामान्य शिक्षा (महाविद्यालय)	3—6
3.	छात्रवृत्ति एवं अन्य वित्तीय सहायता	7—10
4.	विविध	11—13

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Aministration
17-B.Sri Aurbindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. D-4410
Date 6-9-88

Review of the Administrative Report of Higher Education Department of Haryana for the year 1983-84.

....

The development of Higher Education continued at the same pace during the year 1983-84 as in previous years. There are two universities in the State (1) Kurukshetra University, Kurukshetra and (2) Maharishi Dayanand University, Rohtak. The number of colleges affiliated to these universities is 129 in which there is a proper arrangement for Higher Education. Number of students studying in colleges of general Education was 108510 during the year 1983-84 out of which 77702 were boys and 30808 were girls. The number of scheduled castes students was 7158 out of which 6739 were boys and 419 were girls.

Four new colleges were started in the year 1983-84 out of which one was in public sector and three in private sector.

59 new posts of lecturers were created in the year 1983-84, out of which 18 were on account of introduction of new subjects, 30 due to increase in the workload and 11 due to starting of new college at Panchkula.

During the year 1983-84 an amount of Rs. 1317.65 lakh was spent on Higher Education.

The Government provides very liberal grants for running the educational programmes in non-Government colleges. The Government meets upto 95 per cent of their deficit as maintenance grant to non-Government colleges. An amount of Rs. 1.80 crore to M.D. University, Rohtak and that of Rs. 2.81 crore to Kurukshetra University Kurukshetra, was provided as grant-in-aid in the year 1983-84. A sum of Rs. 3.50 crores was provided as maintenance grant to non-Government Colleges.

A sum of Rs. 95.15 lakh was spent and 8183 students were benefited under the various scholarship and financial assistance schemes of Govt. of India. A sum of Rs. 31.89 lakhs was spent and 6595 students were benefited under the various scholarships schemes and financial aids by the State Government. Out of the

total expenditure of Rs. 127.04 lakhs a sum of Rs. 104.45 lakh was spent on 12440 scheduled caste and backward classes students.

The arrangement for teachers training existed in 19 colleges in the State during the year under report in which 1098 boys and 1481 girls got admission. There is a proper arrangement of training in physical education in Agriculture University, Hisar and Kurukshetra University, Kurukshetra. 133 boys and 18 girls got admission for this training.

The N.S.S. Programme is being run in the state for the development of personality and mind of the students. The number of volunteers increased from 15,000 to 15,500 in 1983-84 under N.S.S. Scheme. A sum of Rs. 16.80 lakh was provided for this programme in 1983-84. 142 camps were organised by the volunteers of N.S.S. during the period under report and 7750 students participated therein.

The N.C.C. cadets are imparted training in all the three i.e. Navy, Army and Air services under N.C.C. Scheme. There are junior divisions for school students and senior divisions for college students. There are 18 Battalions of senior division and 11800 cadets are enrolled therein. The number of battalions of Junior division is 167 and number of cadets is 16150.

The number of district libraries was 8 in Haryana State during the period under report which includes Central Library, Ambala.

Shri Jagdish Nehra was the State Education Minister in 1983-84. Smt. Kiran Aggarwal, I.A.S. worked on the post of Education Commissioner and Secretary, Sh. S.P. Bhatia, I.A.S. worked as Joint Secretary and Sh. O.P. Bharadwaj, I.A.S. worked on the post of Director.

उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा की वर्ष 1983-84 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

वर्ष 1983-84 में भी उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में पिछले वर्षों की भांति सामान्य रूप से विकास होता रहा है। राज्य में दो विश्वविद्यालय हैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र और महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक। इन विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों की संख्या 129 है, जिनमें उच्चतर शिक्षा के लिए समुचित प्रबन्ध हैं। वर्ष 1983-84 में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या 108510 थी जिनमें से 77702 लड़के तथा 30808 लड़कियां थीं। अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या 7158 थी जिनमें से 6739 लड़के तथा 419 लड़कियां थीं।

वर्ष 1983-84 में 4 नये महाविद्यालय खोले गये जिनमें से एक राजकीय क्षेत्र में तथा 3 अराजकीय क्षेत्र में हैं।

वर्ष 1983-84 में 59 नये प्राध्यापकों के पद सृजन किये गये जिनमें से नये विषयों के कारण 18, कार्यभार के कारण 30 तथा नया महाविद्यालय पंचकूला में खुलने के कारण 11 पद सृजित किये गये।

वर्ष 1983-84 में उच्चतर शिक्षा पर 1317.65 लाख रुपये की राशि व्यय की गई।

महाविद्यालयों में शिक्षा कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार उदारता पूर्वक अनुदान देती हैं। सरकार अराजकीय महाविद्यालयों को उनके घाटे की 95 प्रतिशत तक राशि अनुरक्षण अनुदान के रूप में देती है। वर्ष 1983-84 में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक को 1.80 करोड़ रुपये और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र को 2.81 करोड़ रुपये की राशि दी गई। अराजकीय महाविद्यालयों को 3.50 करोड़ रुपये की राशि अनुरक्षण अनुदान के रूप में दी गई।

भारत सरकार की विभिन्न छात्रवृत्तियों एवं वित्तीय सहायता के अन्तर्गत 95.15 लाख रुपये की राशि खर्च की गई तथा 8183 छात्रों को लाभान्वित किया गया। राज्य सरकार की विभिन्न छात्रवृत्तियों एवं वित्तीय सहायता के अन्तर्गत 31.89 लाख रुपये की राशि व्यय की गई तथा 6595 छात्रों को लाभान्वित किया गया। कुल 127.04 लाख रुपये के खर्च में से अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों पर 104.45 लाख रुपये व्यय किये गये तथा 12440 छात्रों को लाभ पहुंचा।

राज्य में रिपोर्टाधीन अवधि में 19 महाविद्यालयों में अध्यापक प्रशिक्षण का प्रबन्ध था जिनमें 1098 लड़के तथा 1481 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया। शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षण देने के लिए कृषि विश्वविद्यालय, हिसार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में समुचित प्रबन्ध है। वर्ष 1983-84 में 133 लड़के तथा 18 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया।

छात्रों के व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास के लिए राज्य में एन०एस०एस० कार्यक्रम चालू हैं। वर्ष 1983-84 में एन0एस0एस0 योजना के अन्तर्गत स्वयं सेवकों की संख्या 15000 से बढ़ाकर 15500 कर दी गई। वर्ष 1983-84 में इस कार्यक्रम के लिए 16.80 लाख रुपये की व्यवस्था की गई। रिपोर्टाधीन अवधि में एन0एस0एस0 के स्वयं सेवकों द्वारा 142 शिविर लगाये गये तथा 7750 छात्रों ने भाग लिया।

एन0एस0एस0 स्कीम के अन्तर्गत सेना की तीनों अर्थात् जल, थल तथा वायु सेवाओं का प्रशिक्षण राज्य में एन0सी0सी0 के कैडिट्स को दिया जाता है। विद्यालयों के छात्रों के लिए जूनियर डिवीजन तथा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए सीनियर डिवीजन स्थापित है। हरियाणा में सीनियर डिविजन की 18 बटालियन तथा 11800 कैडिटस हैं। जूनियर डिवीजन की बटालियनों की संख्या 167 तथा 16150 कैडिट्स हैं।

रिपोर्टाधीन अवधि में हरियाणा राज्य में जिला पुस्तकालयों की संख्या 8 थी जिसमें केन्द्रीय पुस्तकालय अम्बाला भी सम्मिलित है।

वर्ष 1983-84 में श्री जगदीश नेहरा, राज्य शिक्षा मंत्री रहे, शिक्षा आयुक्त एवं सचिव के पद पर श्रीमती किरण अग्रवाल आई0ए0एस0 ने कार्य किया। संयुक्त सचिव के पद पर श्री एस0पी0 भाटिया, आई0ए0एस0 और निदेशक के पद पर श्री ओ0पी0 भारद्वाज, आई0ए0एस0 ने कार्य किया।

अध्याय पहला

प्रशासन एवं संगठन

(1) वर्ष 1983-84 में श्री जगदीश नेहरा, राज्य शिक्षा मंत्री के पद पर रहे ।

(क) सचिवालय स्तर पर

रिपोर्टाधीन वर्ष में शिक्षायुक्त एवं सचिव के पद पर श्रीमती किरण अग्रवाल, आई०ए०एस० रही । संयुक्त सचिव के पद पर श्री एस० पी० भाटिया, आई०ए०एस० ने कार्य किया और उप सचिव के पद पर श्री सुखबीर सिंह, एच०सी०एस० ने कार्य किया ।

(ख) निदेशालय स्तर पर

निदेशक, उच्चतर शिक्षा के पद पर 1.4.83 से 18.5.83 तक श्री एल० एम० जैन, आई०ए०एस० और 26.5.83 से श्री ओ० पी० भारद्वाज, आई०ए०एस० ने कार्य किया तथा निम्नलिखित पदों पर अन्य अधिकारियों के कार्य को सुचारू रुप से चलाने के लिए निदेशक, उच्चतर शिक्षा को सहयोग दिया ।

पद	पदों की संख्या	
1. प्रशासन अधिकारी	1	एच०एस०एस०
2. संयुक्त निदेशक, महाविद्यालय	1	एच०ई०एस०
3. उप निदेशक, महाविद्यालय	1	सम
4. सहायक निदेशक, महाविद्यालय	3	सम
5. लेखा अधिकारी, महाविद्यालय	1	—
6. रजिस्ट्रार, शिक्षा	1	—

1.2 विश्वविद्यालय/महाविद्यालय

राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य प्रत्यक्ष रुप में सुचारू प्रशासन तथा

उच्च शिक्षा के विकास के लिए निदेशक, उच्चतर शिक्षा के प्रति उत्तरदायी हैं परन्तु गैर सरकारी महाविद्यालयों का प्रशासन उनकी अपनी प्रबन्ध समितियां ही चलाती हैं। राज्य में स्थित सभी महाविद्यालय संबंधित विश्वविद्यालयों की शिक्षा नीति को अपनाते हैं।

1.3 शिक्षा पर व्यय

वर्ष 1983–84 में महाविद्यालय शिक्षा पर 1317.65 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। इसमें से योजनोत्तर पक्ष पर 1151.16 लाख रुपये तथा योजना पक्ष पर 166.49 लाख रुपये व्यय हुए। वर्ष 1982–83 में व्यय 1191.31 लाख रुपये हुए जिसमें से योजनेतर व्यय 1007.02 लाख रुपये तथा योजना पर व्यय 184.29 लाख रुपये था।

1.4 विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को अनुदान

अराजकीय महाविद्यालयों में शिक्षा कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार उदारतापूर्वक अनुदान देती हैं। अनुरक्षण अनुदान के अन्तर्गत राज्य सरकार अराजकीय महाविद्यालयों को उनके घाटे का 95 प्रतिशत तक अनुदान देती है। केवल यही नहीं अराजकीय महाविद्यालयों को उनके विकास के लिए भी वित्तीय सहायता समय-समय पर दी जाती रही है। रिपोर्टाधीन वर्ष में विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में शिक्षा एवं शिक्षा विकास कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित अनुदान दिये गये :—

	1982-83 (करोड़ रु०)	1983-84 (करोड़ रु०)
1. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक	1.88	1.80
2. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	2.60	2.31
3. महाविद्यालयों को अनुरक्षण अनुदान अन्य संस्थाओं को वित्तीय सहायता	2.31	3.50
4. आई०सी०एस०एन०आर० (पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़)	5,000	25,000
5. वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर	5,000	5,000

अध्याय दूसरा

सामान्य शिक्षा (महाविद्यालय)

2.1 महाविद्यालयों की संख्या

हरियाणा में दो विश्वविद्यालय है एक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक तथा दूसरा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र । इसके अतिरिक्त हरियाणा में महाविद्यालयों की संख्या 30 सितम्बर की स्थिति अनुसार निम्न प्रकार रही है :

	1982-83		1983-84	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
राजकीय महाविद्यालय	31	1	32	1
अराजकीय महाविद्यालय	51	23	53	24
जोड़	82	24	85	25

2.2 छात्र संख्या

(क) इन महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले कुल छात्रों

की संख्या निम्न प्रकार है :—

शिक्षा स्तर	1982-83		1983-84	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
प्री-यूनिवर्सिटी	30734	8283	35421	9883
तीन वर्षीय डिग्री कोर्स	35170	17349	38658	18661
एम० ए०/एम० एस सी०/ एम० कॉम	1923	1566	2203	1950
पी० एच० डी०/एम० फिल	224	191	257	195
अन्य	1713	624	1163	119
	69764	28013	77702	30808
संस्थाओं के अनुसार छात्र संख्या				
राजकीय महाविद्यालय	22725	5910	26495	6507
अराजकीय महाविद्यालय	44365	21029	48547	23099
विश्वविद्यालय	2674	1074	2660	1202
जोड़	69764	28013	77702	30808

पांचवीं पंच वर्षीय योजना के अन्त में हरियाणा में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 75543 थी अब वर्ष 1983-84 में 108510 हो गई है।

(ख) महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या :—

शिक्षा स्तर	1982-83		1983-84	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
प्री-यूनिवर्सिटी	2917	172	3677	195
तीन वर्षीय डिग्री कोर्स	2500	241	2790	206
एम० ए०/एम० एस सी०/ एम० काम	145	14	152	13
पी० एच० डी०/एम०फिल०	3	—	3	—
अन्य	138	25	117	5
	5703	452	6739	419
संस्था अनुसार छात्र संख्या				
राजकीय महाविद्यालय	2163	87	2623	109
अराजकीय महा-विद्यालय	3349	355	3928	298
विश्वविद्यालय	191	10	188	12
	5703	452	6739	419

पांचवीं पंच वर्षीय योजना के अन्त में हरियाणा में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों में अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या 3740 थी जो वर्ष 1983-84 में बढ़ कर 7158 हो गई है ।

वर्ष 1983-84 में निम्नलिखित महाविद्यालय खोले गये ।

(क) अराजकीय महाविद्यालय

(1) महाराणा प्रताप नैशनल कालेज, मुलाना (अम्बाला)

(2) डी० ए० वी० कालेज, (चीका)

(3) श्री गुरु हरिसिंह कालेज, श्री जीवन नगर, (सिरसा)

(ख) राजकीय महाविद्यालय

(1) राजकीय महाविद्यालय, पंचकूला ।

गुड़गांव में स्थित दो राजकीय महाविद्यालयों में से एक महिला महाविद्यालय के रूप में परिवर्तित किया गया ।

2.4 राजकीय महाविद्यालय, आदमपुर में साईंस का विषय आरम्भ किया गया ।

2.5 प्राध्यापकों के नये सृजन किये पदों की संख्या:-

1. वर्ष 1983-84 में प्राध्यापकों के निम्नांकित अनुसार पद सृजन किये गये हैं

1.	नये विषय प्रारम्भ करने के कारण	18
2.	कार्यभार के कारण	30
3.	नये महाविद्यालय खोलने के कारण	11

2.6 सह शिक्षा

हरियाणा राज्य में लड़कों के सभी महाविद्यालयों में लड़कियों को भी पढ़ने की अनुमति है ।

अध्याय तीसरा

छात्रवृत्तियां तथा अन्य वित्तीय सहायता

3.1 योग्य विद्यार्थियों को शिक्षा के भिन्न-भिन्न स्तरों पर शिक्षा प्राप्ति के लिए राज्य तथा भारत सरकार की भिन्न-भिन्न स्कीमों के अन्तर्गत अनेक प्रकार की छात्रवृत्तियां तथा वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति तथा पिछड़ी जाति के छात्रों को भी शिक्षा प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनेक प्रकार की छात्रवृत्तियां तथा सहायता दी जाती है।

3.2 भारत सरकार की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना

महाविद्यालयों में पढ़ने वाले योग्य छात्रों को उत्साहित करने के लिए इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 1983-84 में 1127 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गई। इन छात्रवृत्तियों पर 14.73 लाख रुपए की राशि व्यय की गई। वर्ष 1982-83 में इस स्कीम के अधीन 988 छात्रवृत्तियों पर 13.07 लाख रुपए की राशि व्यय की गई थी।

3.3 राज्य ऋण छात्रवृत्ति योजना

इस स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1983-84 में 724 हरियाणवी योग्य छात्रों को मैट्रिक उपरान्त उच्च शिक्षा की संस्थाओं में पढ़ने के लिए योग्यता छात्रवृत्तियां दी गई तथा छात्रवृत्ति के रूप में 4.52 लाख रुपए की राशि छात्रों में वितरित की गई। इस स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1982-83 में 734 छात्रवृत्तियों पर 4.61 लाख रुपए की राशि व्यय की गई।

3.4 राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति योजना

इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा गरीब माता-पिता के योग्य छात्रों को, जो कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हैं, उच्च शिक्षा प्राप्त

करने के लिए छात्रवृत्ति ऋण के रूप में दी जाती है । वर्ष 1983–84 में 112 छात्रों को 0.92 लाख रूपए की राशि ऋण के रूप में वितरित की गई। वर्ष 1982–83 में 124 छात्रों को 0.99 लाख रूपए की राशि वितरित की गई ।

3.5 राज्य हरिजन कल्याण योजना अधीन अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्ग के छात्रों को सुविधाएं

अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राओं को शैक्षणिक, व्यावसायिक तथा तकनीकी शिक्षा के लिए विशेष सुविधाएं तथा वित्तीय सहायता दी जाती है। निशुल्क शिक्षा और छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है ।

पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राओं को विभिन्न कक्षाओं और कोर्सों में पढ़ने हेतु 30/– रूपए मासिक से लेकर 70/– रुपए की मासिक दर तक बजीफे/ छात्रवृत्तियां दी जाती हैं । वर्ष 1983-84 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले हरिजन तथा पिछड़े वर्ग के 5496 छात्र/छात्राओं को 24.95 लाख रुपए की छात्रवृत्तियां/वजीफे दिए गए ।

इस राशि में से हरिजन तथा पिछड़े वर्ग के छात्रों को परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की गई । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 1982–83 में 4684 छात्र/छात्राओं को 21.30 लाख रुपए की छात्रवृत्तियां/वर्जीफे दिए गए ।

3.6 भारत सरकार की मैट्रिक उपरान्त अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति :

इस स्कीम के अन्तर्गत मैट्रिक उपरान्त शिक्षा संस्थाओं में भिन्न–भिन्न कोर्सों में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों के छात्र/छात्राओं को 40/– रुपए से लेकर 200/- रुपए वार्षिक दर से छात्रवृत्तियां दी जाती हैं । वर्ष 1983–84 में इस स्कीम के अन्तर्गत 6914 छात्र/छात्रायें लाभान्वित हुए तथा 79.50 लाख रुपए की राशि खर्च की गई। वर्ष 1982–83 में इस योजना के अन्तर्गत 6138 छात्र/छात्रओं के लिए 58.42 लाख रुपए की राशि खर्च की गई । ये

छात्रवृत्तियां उन छात्र/छात्राओं को दी जाती हैं जिनके माता-पिता/संरक्षकों की अधिकतम कुल वार्षिक आय 9,000/- रुपए है। अनिवार्य के रूप में दी जाने वाली निशुल्क शिक्षा के अन्तर्गत छात्राओं के कक्षा शुल्क तथा परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है।

3.7 अध्यापकों के बच्चों को छात्रवृत्ति

हरियाणा में स्कूलों के अध्यापकों के बच्चों को मैट्रिकोपरान्त छात्रवृत्ति देने की व्यवस्था है। वर्ष 1983-84 में 22 छात्रों को छात्रवृत्तियां दी गईं जिन पर 0.24 लाख रूपए व्यय हुए। वर्ष 1982-83 में यह छात्रवृत्ति किसी भी छात्र को नहीं दी गई क्योंकि प्रार्थियों के अभिभावकों की वार्षिक आय निर्धारित सीमा से अधिक थी।

3.8 न्यून आय वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ

इस स्कीम के अन्तर्गत मैट्रिकोपरान्त शिक्षा के लिए 2000/- रुपये या इससे कम आय वर्ष के माता-पिता के बच्चों को 22/- रुपये से लेकर 65 रुपये मासिक दर से छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षा शुल्क, अन्य अनिवार्य फण्ड तथा परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है। वर्ष 1983-84 में इस स्कीम के अन्तर्गत 1.25 लाख रुपए की राशि खर्च की गई तथा 153 छात्रों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 1982-83 में इस स्कीम के अन्तर्गत 1.20 लाख रुपए की राशि खर्च की गई तथा 158 छात्रों को लाभ लाभान्वित किया गया।

3.9 विमुक्त जाति के बच्चों को छात्रवृत्ति

विमुक्त जाति के बच्चों को स्कूल/महाविद्यालय स्तर पर छात्रवृत्ति देने के लिए अलग से विमुक्त जाति कल्याण योजना चल रही है। वर्ष 1983-84 में इस परियोजना के लिए 93,000 रूपए की व्यवस्था की गई और लगभग 2000 छात्रों को लाभ पहुंचा। वर्ष 1982-83 में भी इस योजना के लिए 93,000/- रुपए की व्यवस्था की गई तथा 2,000 छात्रों को लाभ पहुंचा।

3.10 उपरोक्त दी गई छात्रवृत्तियां संक्षेप में निम्न प्रकार हैं :-

छात्रवृत्ति योजना	लाभान्वित छात्र		व्यय की गई राशि (लाख रुपयों में)	
	1982-83	1983-84	1982-83	1983-84
1. भारत सरकार राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	988	1127	13 07	14 73
2. राज्य योग्यता छात्रवृत्ति	734	724	4.61	4.52
3. राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति	124	112	0.89	0.92
4. हरिजन कल्याण योजना अधीन छात्रवृत्ति	4684	5496	21.30	24.95
5. भारत सरकार मैट्रिक उपरान्त अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति	6138	6944	58.42	79.50
6. विमुक्त जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति	2000	2000	0.93	0.93
7. न्यून आय वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति	158	153	1.22	1.25
8. अध्यापकों के बच्चों को छात्रवृत्ति	22	22	0.24	0.24

अध्याय चौथा

विविध

4.1 अध्यापक प्रशिक्षण

वर्ष 1983–84 में भिन्न–2 वर्गों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए राज्य में निम्नलिखित पाठ्य क्रम की सुविधायें उपलब्ध थीं :—

(क) एम0एड0 कक्षाएं

राज्य में एम0 एड0 की कक्षाएं सोहन लाल शिक्षण महाविद्यालय, अम्बाला, राव वीरेन्द्र सिंह शिक्षा महाविद्यालय, रिवाड़ी तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में उपलब्ध रहीं । इन तीनों संस्थाओं में वर्ष 1983–84 में 48 लड़के तथा 86 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया । वर्ष 1982–83 में इन छात्रों की संख्या 50 लड़के तथा 51 लड़कियां थीं ।

(ख) बी0 एड0 कक्षाएं

रिपोर्टाधीन अवधि में शिक्षा महाविद्यालयों की संख्या 19 थी जिसमें बी0 एड0 प्रशिक्षण अध्यापकों की कक्षाएं चालू थीं । इन सभी महाविद्यालयों में 1024 लड़के तथा 2193 लड़कियों ने बी0 एड0 की कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया । वर्ष 1982-83 में छात्रों की संख्या 1200 लड़के एवं 2302 लड़कियां थीं ।

(ग) शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण

शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षण देने के लिए शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, हिसार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में समुचित प्रबन्ध है । वर्ष 1983–84 में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण के लिए स्नातकोत्तर स्तर पर 29 लड़के तथा 10 लड़कियों ने और स्नातक स्तर पर 104 लड़के तथा 8 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया । वर्ष 1982–83 में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण के लिए स्नातकोत्तर स्तर पर 20 लड़के और 10 लड़कियों ने तथा स्नातक स्तर पर 120 लड़के और 19 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया ।

4.2 एन0 एस0 एस0

विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय स्तर पर छात्रों के व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास के लिए भारत सरकार की सहायता से हरियाणा राज्य में एन0 एस0 एस0 कार्यक्रम चालू है। वर्ष 1983-84 में एन0 एस0 एस0 योजना के अन्तर्गत स्वयं सेवकों की संख्या 15500/- हो गई थी। इस प्रोग्राम के लिए वर्ष 1983-84 में विभाग के बजट में 16.80 लाख रुपए की व्यवस्था की गई। इस समय यह प्रोग्राम हरियाणा में स्थित तीनों विश्वविद्यालयों में तथा विश्वविद्यालयों से सम्बन्धित 115 महाविद्यालयों में चल रहा है। वर्ष 1982-83 में विभाग के बजट में इस कार्यक्रम के लिए 18 लाख रुपए की व्यवस्था थी।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए एन0 एस0 एस0 के स्वयं सेवक विशेष सहयोग देते हैं। ग्रामीण जनता उत्थान हेतु यूथ फॉर रूरल रीकंस्ट्रक्शन अभियान के अधीन हरियाणा राज्य में वर्ष 1983-84 में 142 शिवर लगाए गए। इन शिवरों में से 63 शिवर रोहतक विश्वविद्यालय द्वारा, 76 शिवर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा तथा 3 शिवर कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा लगाए गए। इन शिवरों में से कुछ शिवरों को मलीन बस्तियों में लगाया गया। 7750 छात्रों ने इन शिवरों में भाग लिया। इन शिवरों में मुख्यतया निम्नलिखित कार्यक्रमों पर कार्य किया था।

1. Education and recreation.
2. Slum clearance.
3. Health and family Welfare and Nutrition Programme.
4. Production oriented programme.
5. Social service in welfare Institution.
6. Work during emergency.
7. Importance of Sanitation.
8. Importance of the status of women.
9. Eradication of dowry and other social evils.
10. Plantation of trees.

4.3 एन0 सी0 सी0

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा बनाये गए नियमों के अनुसार एन0सी0सी0 स्कीम के अन्तर्गत सेना की तीनों शाखाओं जल, स्थल तथा वायु सेनाओं का प्रशिक्षण राज्य में एन0सी0सी0 के कैडिट्स को दिया जाता है। विद्यालयों के छात्रों के लिए जूनियर डिविजन स्थापित किए हुए हैं तथा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए सीनियर डिविजन स्थापित किए हुए हैं। छात्र अपनी स्वेच्छा से एन0सी0सी0 प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, अनिवार्य रूप से नहीं। इस परियोजना को चलाने का खर्च भारत सरकार तथा राज्य सरकार मिलकर करती हैं। वर्ष 1983-84 में एन0सी0सी0 स्कीम को चलाने हेतु 74.14 लाख रुपए की व्यवस्था की गई। हरियाणा में एन0सी0 सी0 कार्यक्रम की स्थिति इस प्रकार है :—

सीनियर डिविजन	बटालियन की संख्या	कैडिट्स की स्वीकृत संख्या
इंफैन्टरी बटालियन (लड़कों के लिए)	12	9600
इंफैन्टरी बटालियन (लड़कियों के लिए)	2	1600
वायु स्क्वॉड्रन	2	400
जल विंग यूनिट	2	200
सब हैडक्वार्टरज	2	---
जूनियर डिविजन		
आर्मीविंग (लड़कों के लिए)	138	13350
आर्मीविंग (लड़कियों के लिए)	10	1000
जल विंग	5	1350
वायु विंग	14	450

4.4 जिला पुस्तकालयों की संख्या

रिपोर्टाधीन अवधि में कोई भी नया पुस्तकालय नहीं खोला गया। इस समय हरियाणा में जिला पुस्तकालयों की संख्या 8 है। जिनमें केन्द्रीय पुस्तकालय अम्बाला भी सम्मिलित है।

18516—D.P.I.—H.G.P., Chd.